देश के लिए.....अव्यवस्था के खिलाफ.....

जवाब दो!!!सरकार...

www.jawabdosarkar.com

अंक –2018/J10/20/JPR/01

E-Newsletter, Issued in Public Interest

शनिवार, 20 अक्तूबर 2018

ब्लू-प्रिंट

दास्तान-ए-सियासत;जहाजपुर विधानसभा

जनता के कटघरे में क्षेत्र के बाहुबली विधायक धीरज गुर्जर

आखिर क्यों भयभीत है भीलवाडा और जहाजपुर की जनता?

देश के लिए.....अव्यवस्था के खिलाफ.....

जवाब दो!!!सरकार...

www.jawabdosarkar.com

अंक –2018/J10/20/JPR/01 E-Newsletter, Issued in Public Interest शनिवार, 20 अक्तूबर 2018

यू.पी. बिहार का कुख्यात गुंडाराज!!!अब आपके शहर भीलवाडा में उपलब्ध!!!

जी हाँ,देखने-सुनने में यह जरुर किसी कम्पनी का इश्तेहार नजर आता है,लेकिन हकीकत में इस सच का सामना भीलवाडा जिले की जनता कर रही है,वो भी चुनावों के समय जब पुलिस-प्रशासन हर स्थिति से मुकाबला करने के लिए चाक-चौबंद होता है|

14/10/2018 को भीलवाडा की पुरानी शाम की सब्जी मंडी में

दिन-दहाड़े हुई फायरिंग से आम लोग दहशत हैं और भविष्य की आशंकाओं से ग्रस्त है|यह फायरिंग भीलवाडा में गेंगवार की दस्तक दे रही है,इस गेंगवार के मुख्य किरदार नीरज गुर्जर,उसका भाई राहुल गुर्जर है और विरोधी पार्टी के गोविन्द गुर्जर,दिलीप गुर्जर और उनके साथी है|दिन-दहाड़े हुए इस गेंगवार में भीलवाडा कोतवाली में दर्ज प्राथमिकी रिपोर्टों के अनुसार दोनों पक्षों की तरफ से गोलियां चली जिसमे एक निरीह रिक्शा चालक घायल हो गया|हाल फिलहाल हथियारों की बरामदगी नहीं हो सकी है और सभी अभियुक्त पुलिस रिमाण्ड पर है।

पुरानी रंजिश को लेकर हुई थी फायरिंग

प्रोपर्टी के पुराने झगडे को लेकर गत वर्ष कांग्रेस नेता और पूर्व पार्षद रहे गोविन्द एल्ड़ोन पर राहुल गुर्जर ने फायर कर की कोशिश की

गुर्जर और उसके साथी गुर्जर और मनीष उन्हें जान से मारने थी,जिससे पुरे शहर में सनसनी मच गई थी|

कौन है नीरज गुर्जर और उसके अन्य सहयोगी

सन 2012 में भीलवाडा पुलिस की वेबसाईट पर जारी सूची में नीरज गुर्जर पर 13 संगीन मामले दर्ज थे,भीमगंज थाने की हिस्ट्रीशीट में नीरज गुर्जर का नाम दर्ज था|वर्तमान में उसकी पत्नी सुमन कोटडी प्रधान है जहाँ दादागिरी चलाता लोगो में उसके और राहुल है,जो साथ रहते चूका है| यह

पंचायत समिति की वह अपना रुतबा और है|नीरज के ख़ास मामा के लड़के मनीष उसके हर अपराध में है,मनीष उप-प्रधान रह लोग अपने प्रतिद्वंदियों,पुलिस-प्रशासन के अधिकारीयों से खुले आम सरकार आने पर बदला लेने की धमकी देते नजर आ जाते है|इसके विरुद्द कई मामलों में विधायक धीरज गुर्जर अपने भाईयों की कानूनी ढाल के रूप में उनकी मदद करता नजर आया है|

कहाँ से आये हथियारपुलिस एक तरफ तो राजस्थान हाई कोर्ट के आदेशों की अवहेलना करते हुए आम चुनावों में संभावित हिंसा का डर दिखा कर लाईसेंसी हथियार धारकों को अपने हथियार थानों में जमा करवाने का दबाव बना रही है|वहीं दूसरी और शहर में अवैध हथियार रखने वालों की तादाद बढती जा रही है,जिस पर पुलिस का कोई जोर नहीं है|इन अवैध हथियारों के बूते अपराधी मासूम जनता के दिलों में खौफ पैदा कर अपराधों को अंजाम देने से बाज नहीं आ रहे है|

जहाजपुर का बाहुबली विधायक;धीरज गुर्जर

छात्र नेता से किसान पुत्र तक का सफर

धीरज गुर्जर ने अपने राजनैतिक केरियर की शुरुआत नब्बे के दशक में भीलवाडा जिले की छात्र राजनीति में सक्रिय छात्र संगठन विधार्थी अधिकार रक्षक संघ(वार्स) के कार्यकर्ता के रूप में की|जहाँ उसने और उसके भाईयों ने गरीब,असहाय छात्रों से एडमिशन के नाम पर दलाली चालु की,इसी कारण धीरज के खिलाफ 1999 में वसूली का मामला भी दर्ज हुआ|इन वसूलियों से उनकी हिम्मत बढती गयी और उन्होंने ट्यूशन पढ़ाने वाले अध्यापकों,आस-पास के दुकानदारों,व्यापारियों से वसूली चालु कर दी|जल्दी ही वह अपने भाई नीरज के दम पर पार्टी का कर्ता धर्ता बन गया|नीरज बाहर रह कर पार्टी के मामले निपटाता था और धीरज संगठन में पैठ बनाने लगा|इन दोनों की जुगल-जोड़ी ने जल्दी ही वार्स नामक छात्र संगठन पर कब्ज़ा कर लिया और दबाव बना कर वार्स का एनएसयूआई में विलय करवा दिया,जिसके पारितोषिक के रूप में उसे कांग्रेस का हाथ मिल गया और उसे एनएसयूआई का प्रदेशाध्यक्ष बना दिया गया जिसके बाद उसने मुडकर नहीं देखा|जहाँ पहले उसके पास जिले की ही छात्र शक्ति थी वहीं अब उसकी ताकत पूरे राज्य में हो गयी|जिसके बूते वह 2008 के राजस्थान विधानसभा चुनावों में जहाजपुर से विधानसभा का टिकिट लेने में कामयाब हो गया,पूरी ताकत लगाने और बीजेपी विरोधी लहर होने के बावजूद वह बीजेपी के शिवजीराम मीणा से 1865 वोटों से हार गया|परन्तु हार के बावजूद वह फिर 2013 के चुनावों में जहाजपुर से टिकिट लेने में कामयाब हो गया और मोदी लहर के बावजूद गुर्जर मतदाताओं के दम पर 4000 से अधिक वोटों से जीत हासिल कर ली और जिले के एक मात्र कांग्रेस विधायक बन कर जिले की राजनीति पर कब्ज़ा जमाने लगा|विधायक बनते ही उसने अपना रंग दिखाना चालू कर दिया और हाशिये पर जाती हुई जिला कांग्रेस का खेवनखार बन गया,जिले के जो नेता उसके विरोधी थे उन्हें उसने अपने साथ काम करने पर मजबूर कर दिया|अपनी हरकतों से पूरे कार्यकाल में सरकार की नाक में दम करके रखा|

सचिन पायलट से नजदीकी

चूँकि 14 वीं विधानसभा में कांग्रेस के गिने चुने विधायक ही विधानसभा में पहुँच पाए थे इसके अलावा अपनी दबंग छवि के कारण भी वह जल्द ही सभी बड़े पार्टी नेताओं की गुड - बुक्स में शामिल हो गए सहजातीय होने की वजह से धीरज गुर्जर को कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट का वहदहस्त प्राप्त है,इसी कारण उसकी पहुँच राहुल गांधी तक भी है,जिसके चलते राहुल किसान आन्दोलन के लिए अपनी एम.पी. यात्रा के दौरान विधायक धीरज गुर्जर के साथ मोटर-साईकिल पर बैठ कर एम. पी. पहुचे थे|

धीरज की संपत्ति महज 2.88 लाख संपत्ति

गत चुनावों के दौरान पेश शपथपत्रों के अनुसार धीरज की सम्पति कुल 2.88 लाख रूपये की है,परन्तु उसके रहन सहन से कही नहीं लगता की वह एक आम इंसान है|

अपने आप को चर्चा में रखने के लिए दोनों भाई अभी तक सैकड़ों बड़े कार्यक्रम आयोजित कर चुके है जिसमे करोड़ों खर्च होने का अनुमान है |नीरज और उसके अन्य भाईयों के रहन रहन से तो वह कतई गरीब किसान नजर नहीं आते|नीरज कई सार्वजनिक मौकों पर कई किलो सोने का हार पहने नजर आया है|

विधायक गुर्जर हो चुके है पाबन्द

2008 के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर पुलिस द्वारा जारी 2300 जनों को पाबन्द करने की लिस्ट में धीरज गुर्जर का नाम भी था|गुर्जर के खिलाफ भीलवाडा जिले के विभिन्न पुलिस थानों में लूट,धोखाधड़ी,कातिलाना हमला,फर्जी दस्तावेज तैयार करने,बलवा व मारपीट जैसे आरोपों में करीब एक दर्जन आपराधिक मामले पंजीकृत हुए थे,जिसके लिए उसे दफा 110 के तहत पाबन्द भी किया गया|

राजस्थान पत्रिका 14

कांग्रेस प्रत्याशी को पाबंद करेगी पुलिस

भीलवाड़ा, 5 नवम्बर (का.सं.)

सीजल्स वेक्सिन की सप्लाई रोकी

अजमेर, 5 नवम्बर

पुलिस के लिए चुनौती

आई,जी. अजमेर के बाहर धरना,सरकार और पुलिस को जम कर गाली गलौच,एस,पी. को ललकारा

अपने भाई को गिरफ्तारी से बचाने के लिए धीरज गुर्जर ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ अजमेर कुच कर आई.जी.अजमेर रेंज के बाहर धरना-प्रदर्शन किया जहाँ उसने सरकार और पुलिस को जम कर गाली गलौच,भीलवाडा एस,पी. को खुद को और अपने भाईयों को गिरफ्तार करने के लिए ललकारा|आने वाले विधानसभा चुनावों में विधायक के तेवर और आक्रामक होने के आसार है जो कि पुलिस प्रशासन के लिए चुनौती है|

मासूम से बलात्कार करने वाले आरोपी की कर चुके है पैरवी,पुलिस पर करवाया हमला

थाने पर प्रदर्शन, घेराव, पथराव

2011 में एक मासूम से दुष्कर्म करने वाले आरोपी ने परिवार की बदनामी के डर से ख़ुदकुशी कर ली थी,इस मामले को राजनैतिक रंग देने के लिए धीरज गुर्जर,नीरज गुर्जर और उनके समर्थकों ने जनता को गुमराह करते हुए उन्हें आक्रोशित किया और पुलिस पर हमला बोल दिया था,जिसमे कई पुलिसकर्मी और कांग्रेस कार्यकर्ता घायल हुए,पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाने के लिए इन लोगो के खिलाफ राजकार्य में बाधा का मामला दर्ज किया|(अखबार की फोटो)

जहाजपुर विधानसभा को बनाया अपना कार्यक्षेत्र ;दिया परिवारवाद को बढ़ावाचूँकि भीलवाडा की जनता विधायक और उसके भाइयों की काली करतूतों से वाकिफ थी अतः धीरज ने यहाँ से हटकर जहाजपुर विधानसभा को अपनी कार्यस्थली बनाया| 2010 के पंचायती चुनावों में उसने पहले अपनी माँ श्रीमति सीता देवी को जहाजपुर प्रधान बनवाया, नीरज की पत्नी सुमन गुर्जर को कोटडी पंचायत समिति का कांग्रेस के विरुद्द निर्दलीय खड़ा कर सदस्य बनवाया,साथ ही अपने हर गुनाह में साथ रहने वाले अपने भाई मनीष को कोटडी का उप-प्रधान बनवाया|

चूँकि जहाजपुर गुर्जर बाहुल्य क्षेत्र है इसलिए उसे यहाँ अपना रसुखतंत्र खड़ा करने में देर नहीं लगी| जिसके दम पर उसने पंचायत चुनावों में जम कर गुंडागर्दी की और वह लोगों को डरा-धमका कर पंचायत चुनावों में जीत हासिल करता रहा और इस सिलसिले को जारी रखते हुए 2015 के पंचायती राज चुनावों में उसने नीरज की पत्नी सुमन को कोटडी का प्रधान अपने भाई को पंचायत सदस्य बनवाया तथा स्वयं गुर्जर वोटों के दम पर विधायक बन बैठा|

भाजपा सरकार की ढील से बढ़ता गया दुसाहस

चूँकि राज्य में भाजपा का शासन था और जिले की धुरी में भाजपा का कोई कद्दावर नेता नहीं था,इसके चलते धीरज और उसके भाई अपनी मनमानी करते रहे ,सहजातीय होने के कारण सरकार के मुख्य सचेतक और जिले के मांडल विधायक कालू लाल गुर्जर उसकी हरकतों को शह देते रहे ,जिले में कोई भी ताकतवर कलेक्टर या पुलिस अधीक्षक को नहीं लगाया गया|

जिसके चलते आये दिन धीरज जिला कलेक्ट्रेट के सामने धरने प्रदर्शन करते रहे,चूँकि 14 वीं विधानसभा में कांग्रेस के कम विधायक ही विधानसभा में पहुंचे थे अतः अपनी दबंग शैली को विधानसभा में भी कायम रखते हुए जम कर हुल्हड़बाजी की और सड़कों पर प्रदर्शन किये|

मेवाड़ से कांग्रेस के कद्दावर नेता सी पी जोशी के विरोधी रहे है धीरज

2013 में सोनिया की रैली में कोटडी के कार्यकर्ताओं को नहीं जाने दिया सन 2013 में जब कांग्रेस राज्य में वापस सत्ता में आने का प्रयास कर रही थी और सोनिया गांधी पुरे प्रदेश में अपनी रैलियां कर रही थी उस समय अपने टिकिट की मांग को मनवाने के लिए धीरज ने जिले के रूपाहेली में होने वाली रैली में अपने क्षेत्र से किसी को भी नही जाने दिया|जिसकी शिकायत आलाकमान को भी की गयी|

टिकिट नहीं दे रहे थे सीपी विधायक धीरज की कांग्रेस के कद्दावर नेता सी.पी. जोशी से शुरू से ही नहीं बनती आ रही थी जिसके चलते उन्होंने 2013 के चुनावों में धीरज को टिकिट नहीं देने की खूब कोशिश करी,परन्तु राहुल गांधी के यहाँ सीधी पहुँच के चलते वह 2013 के चुनावों में जहाजपुर से टिकिट लाने में कामयाब हो गए और कांग्रेस विरोधी लहर होने के बावजूद जीत हासिल करने में कामयाब भी हो गए|

मांडलगढ़ से बागी गोपाल मालवीय को खड़ा किया अपनी ताकत दिखाने के लिए धीरज कोई मौका नहीं छोड़ता है इसी फितरत के चलते उसने मांडल गढ़ उपचुनावों में पार्टी के बागी उम्मीदवार गोपाल मालवीय को खड़ा कर अपना मूक समर्थन दिया,जिसके चलते एक बार तो कांग्रेस प्रत्याशी की हार लगभग मानी ही जा रही थी,परन्तु बीजेपी विरोधी लहर के चलते कांग्रेस प्रत्याशी अपनी सीट निकालने में कामयाब हो गए और धीरज को मुँह की खानी पड़ी|

सीपी की यात्रा में नहीं गए जब सीपी ने अपने भीलवाडा जिले में अपनी यात्रा निकाली उस समय जिले के सभी कद्दावर नेता उपस्थित थे परन्तु अपने राग-द्वेष के चलते धीरज नहीं गए,पूछने पर कहा कि मुझे तो न्यौता ही नहीं मिला|

थम गया जहाजपुर का विकास

धीरज के इस रवैये के कारण कोई भी अधिकारी यहाँ काम करने से कतराता है जिसके चलते विगत 5 सालों से यहाँ का विकास ठप्प है|यहाँ आज तक उच्च शिक्षा के लिए कोई सरकारी कॉलेज नहीं है,ऐतिहासिक इमारते जीर्ण शीर्ण है,100 बेड का अस्पताल होते हुए भी यहाँ पर पूरे चिकित्सक नहीं है|यहाँ पर सर्वाधिक वर्ग पूर्व सैनिकों का है परन्तु उनके विकास का भी कोई खाका मौजूद नहीं है|सफाई-व्यवस्था की हालत गंभीर है|स्कूलों में शिक्षक नहीं है|किसानों को अपने मुआवजे के लिए दर-दर भटकना पड़ता है|

भीलवाडा की चार सीटों पर गुर्जर विधायक,चल सकती है समुदाय विरोधी लहर

चूँकि विधायक गुर्जर समुदाय से है और हाल ही में भीलवाडा में हुए सत्याग्रह आन्दोलन में वह हार्दिक पटेल के साथ भी नजर आये है,विधायक गुर्जर जहाजपुर से अपनी सीट गुर्जर बाहुल्य होने के कारण ही निकाल पाए थे|उसकी गुंडागर्दी से स्थानीय अन्य जातियां परेशान हो चुकी है।राजनैतिक हलकों में हलचल है कि कहीं धीरज के इन कारनामों से भीलवाडा और अजमेर जिले की गुर्जर बहुल सीटों पर समुदाय विरोधी लहर नहीं चल जाएं जिसका सीधा फायदा बी.जी.पी. को होता नजर आता है|

नीरज की पैरवी कांग्रेस के लिए खतरा

हाल ही में हुए फायरिंग मामले में धीरज को अपने भाई के पक्ष में आना पड़ा,क्रॉस ऍफ़.आई.आर से स्पष्ट हुआ है कि

दोनों पक्षों से फायरिंग हुई है|इस घटना से शांत रहने वाली भीलवाडा की स्थानीय जनता में कांग्रेस के खिलाफ माहौल बनता नजर आ रहा है|

पांच साल सुर्ख़ियों में बने रहने के लिए किये हर प्रकार के प्रपंच;आन्दोलन,घेराव,रैली,भूख हड़ताल,खुन से चिट्ठी,गंगाजली से कसम

प्रदेश की राजनीति में सक्रिय रहने और बीजेपी सरकार की नाक में दम करने के लिए धीरज ने हर प्रकार के प्रपंच किये,अपनी मांगों को मनवाने के लिए उसने पदयात्राएं की आन्दोलन,घेराव,रैली,भूख हड़ताल तक की,जब एक पुराने मामले में पुलिस ने उसके भाई नीरज को गिरफ्तार किया तो उसे बचाने के लिए उसने अजमेर रेंज के आईजी का अपने हजारों समर्थकों के साथ घेराव किया|अपनी मांगे मनवाने के लिए सत्याग्रह किया,अपने खुन से चिट्ठी लिखी,अपने भाइयों को निर्दोष साबित करने के लिए गंगाजली से कसम तक खायी|

सवाल; अभी इतनी गुंडागर्दी तो कांग्रेस आने पर कितनी होगी?जनता खौफ में|

अपने पूरे कार्यकाल में धीरज-नीरज और उसके भाइयों ने जम कर गुंडागर्दी की कई लोगो को धमकाया यहाँ तक कई पर हमला (बनवारी लाल शर्मा और अन्य) तक किया,प्रशासन को खुलेआम धमकियाँ दी,इससे भीलवाडा और जहाजपुर की जनता में खौफ का माहौल है कि धीरज और उसके भाई अभी इतने बैखोफ है तो कांग्रेस सरकार आने पर तो उसकी गुंडागर्दी हद से पार हो जाएगी|

अखबार की सुर्ख़ियों में विधायक

भाई के साथ धमकाकर 10 लाख मांगे

विधायक धीरज पर मुकदमा

पत्रिका न्यूज़ नैटवर्क
rajasthanpatrika.com

भीलवाड़ा. जहाजपुर से कांग्रेस के विधायक धीरज गुर्जर और उनके भाई समेत पांच जनों के खिलाफ उनके गुट में शामिल करने के लिए धमका कर चंदे में दस लाख रुपए मांगने का मामला सामने आया है।

भीमगंज थानाप्रभारी महावीर राव के अनुसार रीट ग्राम सेवा सहकारी समिति के अध्यक्ष एवं कोदिया (कोटड़ी) निवासी बनवारीलाल शर्मा ने रिपोर्ट दर्ज कराई। इसमें आरोप लगाया कि विधायक गुर्जर, उनका भाई नीरज गुर्जर राजनीतिक द्वेषता रखते हैं। दोनों ने अपने गुट में शामिल करने के नाम पर दस लाख रुपए चंदे में मांगे। इसके लिए उन्होंने धमकाया भी। मांग पूरी नहीं करने पर उसके खिलाफ कई शिकायत भी कराई। परिवादी ने आरोप लगाया कि शनिवार रात को वह सेवा सदन रोड से गुजर रहा था। मोबाइल आने पर साइड में खड़े होकर बात कर रहा था। इस दौरान नीरज गुर्जर, राहुल गुर्जर, नारायण गुर्जर और गणेश माली कार लेकर वहां पहुंचे। आते ही उन्होंने मारपीट करनी शुरू कर दी। इससे चोटें आई। उसने दौड़कर निकट ही एक निजी क्लिनिक में घुसकर जान बचाई। बनवारी ने आरोप लगाया कि बाबा धाम के निकट उसकी बहन का भूखण्ड [illegible] उस पर भी आरोपितों की शह [illegible] कब्जा होने पर प्रतापनगर पुलिस [illegible] मामले में गणेश माली को गिरफ्[illegible] किया था। इस बीच शनिवार [illegible] दुबारा से उस पर कब्जा कर लि[illegible] गया। इसी सिलसिले में [illegible] भीलवाड़ा आया हुआ था।

विधायक धीरज ने आरोप [illegible] निराधार बताए और कहा कि [illegible] इन आरोपों में जरा सी भी स[illegible] हुई तो राजनीतिक जीवन से इस्ती[illegible] दे दूंगा।

RAS कान्सटेबल ग्राम सेवक नया बैच प्रारम्भ शिक्षक
3 PM 10AM, 3PM, 4PM GK 1 Paper
फाउंडेशन कोर्स SI J.En/A.En LD
पार्श्व एकेडमी भीलवाड़ा. 94140-56[illegible]

वारदात | गोली ढूंढने के लिए 10 एक्स-रे, लेकिन रात 2.30 बजे तक रहा असमंजस, अहमदाबाद किया रैफर

विधायक-प्रधान के रिश्तेदारों ने पूर्व पार्षद को कार से टक्कर मारी, नीचे गिरे तो फायर

निर्भीक न्यूज़

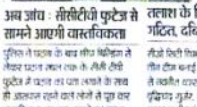

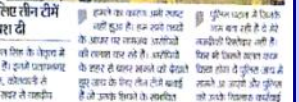

आरोप... राजनीतिक व सामाजिक द्वेषता से हमला, तलवार से मारा, गोली चलाई : पूर्व पार्षद

[illegible]

पूरे शहर में जगह-जगह नाकाबंदी

[illegible]

अब जांच : सीसीटीवी फुटेज से सामने आएगी वास्तविकता

तलाश के लिए तीन टीमें गठित, दबिश दी

[illegible]

दिनांक 28.9.2016 भीलवाड़ा संस्करण दैनिक भास्कर

भीलवाड़ा

प्रदर्शन | प्रोपर्टी डीलर को धमकाते हुए 10 लाख रुपए मांगने व मारपीट का मामला, लोगों ने विधायक के भाई पर भी लगाए कई आरोप

धीरज गुर्जर की गिरफ्तारी के लिए प्रदर्शन

भास्कर संवाददाता | भीलवाड़ा

जहाजपुर विधायक धीरज गुर्जर व उनके भाइयों के खिलाफ धमकाते हुए दस लाख रुपए मांगने और मारपीट का मामला तूल पकड़ रहा है। गुर्जर के आरोप साबित नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी देने के बाद अब रीठ पंचायत, जहाजपुर से ब्राह्मण और अन्य समाजों के लोगों ने विधायक समेत अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए मंगलवार को कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर एसपी और एडीएम (सिटी) को ज्ञापन भी दिया।

ज्ञापन में आरोप है कि सुनियोजित तरीके से नीरज गुर्जर, राहुल गुर्जर व गणेश माली ने कोदिया के बनवारीलाल शर्मा पर जानलेवा हमला किया। यह षडयंत्र विधायक धीरज गुर्जर कहने पर रचा गया। विधायक अगले चुनाव में उनका साथ देने के लिए धमकियां दे रहे हैं। आरोप है कि प्रधान सुमन के पति व विधायक के भाई नीरज बिना नंबर की गाड़ी में घूमते हैं। वे प्रधान की सीट पर बैठते हैं। इस दौरान बनवारी शर्मा, श्रीकल्याण आचार्य, शिव ओझा, देवेंद्र सिंह, सतीश जोशी, रामलाल नाथ आदि थे।

भीलवाड़ा. विधायक की गिरफ्तारी की मांग पर कलेक्ट्री पर प्रदर्शन करते लोग।

शाहपुरा. विधायक की गिरफ्तारी की मांग पर कलेक्ट्री पर प्रदर्शन करते लोग।

शाहपुरा में भी दी चेतावनी

शाहपुरा | ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधिमंडल ने उपखंड अधिकारी केआर खीड़ को कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। इसमें गत दिनों भीलवाड़ा में बनवारी लाल शर्मा को धमकाने और जानलेवा हमला करने के दोषी आरोपियों को 72 घंटे मे गिरफ्तार करने की मांग की गई। उपखंड कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। इस मामले में पुलिस ने जहाजपुर विधायक धीरज गुर्जर व उनके भाई को नामजद किया गया है। समाज के नेताओं का कहना है कि पूर्व में भी इन्हीं लोगों ने समाज के कल्याणमल शर्मा को निशाना बनाकर जानलेवा हमले किए थे। पुलिस प्रशासन द्वारा कार्रवाई नहीं की गई। ज्ञापन में 72 घंटों में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने पर ब्राह्मण समाज द्वारा आंदोलन करने की चेतावनी दी गई है। ज्ञापन देने के दौरान लोकेंद्र शर्मा, तहसील अध्यक्ष भगवती शर्मा, युवा अध्यक्ष नरेश व्यास, योगेश पारीक, गुर्जर गौड़ समाज युवा अध्यक्ष पवन शर्मा, दिनेश बंटी, विवेक दाधीच, पंकज पाराशर, लालचंद पाराशर, दिनेश मिश्रा, मनीष पाराशर, पवन सुखवाल, अभय शर्मा, अतुल शर्मा, अतुल पारीक, बालमुकुंद शर्मा, कैलाशचंद शर्मा, शंभूदयाल शर्मा, रोहित शर्मा आदि उपस्थित थे।

उजलों का सच | बलवा, लूट, धोखाधड़ी जैसे संगीन मामले
बेनकाब हुए सफेदपोशों का मामला

120 मुकदमे

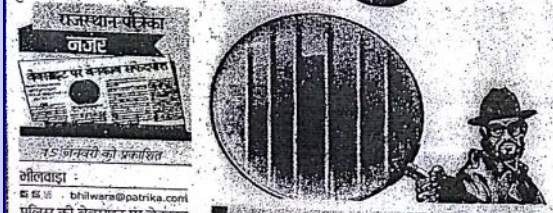

राजस्थान पत्रिका नजर

15 जनवरी को प्रकाशित

भीलवाड़ा :

bhilwara@patrika.com

पुलिस की वेबसाइट पर बेनकाब हुए सफेदपोश हिस्ट्रीशीटरों में से दस के खिलाफ संगीन धाराओं में 120 मुकदमे दर्ज हैं। इनमें से कुछ का निस्तारण हो चुका तो कुछ न्यायालय में विचाराधीन हैं। पुलिस के मुताबिक इन हिस्ट्रीशीटरों के खिलाफ जानलेवा हमला, साधारण मारपीट, तस्करी, धोखाधड़ी, चौथवसूली, धमकाने, लूट, राजकाज में बाधा, सरकारी सम्पत्ति को नुकसान व अवैध हथियार रखने सरीखे मामले पंजीकृत हैं। मामले लगातार पंजीकृत होने से हिस्ट्रीशीटर से इनका नाम नहीं हट रहा। इनमें से कई सफेदपोश तो पुलिस की नजर में आदतन अपराधी हैं। राजस्थान पत्रिका में रविवार को प्रकाशित 'वेबसाइट पर बेनकाब सफेदपोश हिस्ट्रीशीटर' की रविवार को राजनीतिक एवं

भूमाफिया भी रहे सफेदपोश

सफेदपोश हिस्ट्रीशीटर भूमाफिया भी रहे हैं। इनमें प्रमुख रूप से लव और कुश के साथ रामा खाती जैसे लोगों का नाम चर्चित है। सुभाषनगर थाना पुलिस लव और कुश के खिलाफ जमीनों पर कब्जा करने के मामले में कार्रवाई कर चुकी है। कई हिस्ट्रीशीटर जमीन-मकानों पर कब्जा कर उन्हें खाली करवाने तक के ठेके लेते हैं। वर्तमान में राजनीतिक या सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहे इन हिस्ट्रीशीटरों में से कुछ के खिलाफ हालिया कोई नया मामला दर्ज नहीं हुआ है, लेकिन पुलिस ने उनकी हिस्ट्रीशीट अभी बंद नहीं की है।

हिस्ट्रीशीटरों का लेखा-जोखा

नाम	मुकदमे
रामा खाती	29
अशोक पोखरना	18
धीरज गुर्जर	13
डालचन्द जाट	13
सोहन वैष्णव	12
धनराज गुर्जर	10
असलम शेख	10
ओमप्रकाश गुर्जर	04
कुश वैष्णव	05
रामप्रसाद विजयवर्गीय	06

पुलिस हल्कों में चर्चा रही। ऐसे हिस्ट्रीशीटरों के बारे में अधिक जानने के लिए कुछ लोग थानों से भी सम्पर्क करने में लगे रहे।

चुनाव लड़ चुके खाती

विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी का प्रत्याशी रहा रामा खाती प्रतापनगर थाने का हिस्ट्रीशीटर है। उस पर लूट, धोखाधड़ी, मारपीट जैसे मामले पंजीकृत हैं।

कोटड़ी के पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष शर्मा को मारने का प्रयास

बाइक पर चढ़ाई कार, हमलावरों का नहीं लगा सुराग

भीलवाड़ा, 21 मई। कोटड़ी के पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जीवनलाल शर्मा पर मारने की नियत से एनएसयूआई के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष के भाई द्वारा गुरुवार रात बाइक पर चढ़ाई गई कार के मामले में पुलिस शुक्रवार दूसरे दिन भी हमलावरों को गिरफ्तार नहीं कर पाई। वहीं अस्पताल में भर्ती शर्मा की हालत नाजुक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार कोटड़ी थाना क्षेत्र के आसोप ग्राम निवासी और कांग्रेस नेता व पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष जीवनलाल शर्मा की मोटरसाइकिल पर साकड़ा व फलासेड़ का खेड़ा के बीच एनएसयूआई के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष धीरज गुर्जर के भाई नीरज गुर्जर व उसके साथियों ने कार चढ़ा दी थी। दुर्घटना में शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसे महात्मा गांधी चिकित्सालय में भर्ती करायागया है। वहीं कोटड़ी पुलिस ने शर्मा की रिपोर्ट पर नीरज गुर्जर सहित आधा दर्जन उसके साथियों के खिलाफ कातिलाना हमला करने का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू की है। लेकिन शुक्रवार दूसरे दिन भी हमलावरों का कोई सुराग नहीं लग पाया। इस बीच कांग्रेस नेता धीरज गुर्जर ने प्रेस नोट जारी कर बताया कि नीरज गुरुवार को घटना के समय बीरधोल ग्राम में था और शर्मा से उसकी कोई राजनीतिक रंजिश नहीं है। शर्मा को तो नीरज की पत्नी सुमन ने पंचायत राज चुनाव में 1100 मतों से हराया था। इसलिए शर्मा रंजिश रखता था। दुर्घटना का आरोप जो लगाया है वो गलत है।

वृद्धा की मिली खेत में लाश

सदर थाना क्षेत्र के पांसल ग्राम के समीप शुक्रवार रात एक वृद्ध महिला की खेत में संदिग्धावस्था में लाश पड़ी मिली। मृतका की उम्र करीब 70 वर्ष बताई गई है। पुलिस ने शव मोर्चरी में रख उसकी शिनाख्तगी के प्रयास शुरू किये।

दिनांक 22-5-2010 दैनिक नवज्योति भीलवाड़ा

वेबसाइट पर बेनकाब सफेदपोश हिस्ट्रीशीटर

पुलिस की वेबसाइट पर जारी सूची से हुआ खुलासा
सूची में कई ओहदेदारों एवं नेताओं के नाम

ऐसे खुलती है हिस्ट्रीशीट

कांग्रेस या भाजपा कोई अछूती नहीं

लंबी है फेहरिस्त

नेताओं की चिट्ठी पर दौड़ रहे ओवरलोड ट्रक

ललित ओझा । भीलवाड़ा

पुलिस ने ओवरलोड ट्रक पकड़ा तो चालक ने भाजपा विधायक शंकर सिंह रावत और यूथ कांग्रेस के प्रदेश महासचिव धीरज गुर्जर की चिट्ठी थमा दी। इसमें दोनों नेताओं ने एक जैसी ही बातें लिख रखी थीं। चिट्ठी में लिखा था कि गाड़ी नंबर आरजे 20 जी 8332 मेरे मित्र मदन गुर्जर की है, इन्हें सहयोग करें। आवश्यकता हो तो मुझसे बात करें। यह पत्र परिवहन निरीक्षक के नाम है। ट्रक ड्राइवरों ने पुलिस को गाड़ी न रोकने की धमकी दी।

पुलिस ने ट्रकों का चालान काटा। ड्राइवरों को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर एडीएम सिटी एमएल योगी के सामने पेश किया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। मंगलवार को उन्हें 25-25 हजार रु. की जमानत पर छोड़ने के आदेश हुए। मामले के अनुसार भीमगंज एसएचओ नंदलाल जाट दो दिन पहले कोटा रोड पर अहिंसा सर्किल के पास ओवरलोड वाहनों की चैकिंग कर रहे थे। उन्होंने कोटा की ओर से आ रहे दो ट्रकों को रोका। इनमें क्षमता से अधिक पट्टियां भरी थीं। जब चालक बीगोद निवासी रतनलाल जाट व ब्रह्मालाल जाट से कागजात मांगे गए तो उन्होंने रावत तथा गुर्जर की चिट्ठियां थमा दीं और हंगामा करने लगे।

विधायक ने लिखा: परिवहन निरीक्षक जी, गाड़ी नंबर आरजे 20 जी 8332 तथा आरजे 06 3897, श्री मदन गुर्जर की है। ये मेरे परममित्र है। इन्हें सहयोग करें तथा आवश्यकता हो तो मुझसे बात कर लें।

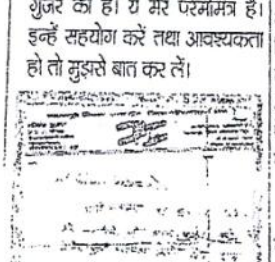

हमने तो अवैध वसूली रोकने को दी है चिट्ठी

मेरे परिचित का ट्रक होना कोई गुनाह नहीं है। मैंने ओवरलोड की परमिशन नहीं दी। पत्र में मैंने कुछ भी गलत नहीं लिखा। आपको भी पता होगा कि ट्रक निकलते हैं तो पुलिस, ट्रांसपोर्ट विभाग वाले ट्रक वालों की अनावश्यक जेबें कतरते हैं। अवैध पैसा वसूलते हैं। उनका इलाज करने के लिए हम हैं। इसीलिए पत्र लिखा।
- शंकर सिंह रावत, भाजपा विधायक

धीरज गुर्जर ने लिखा: परिवहन निरीक्षक महो., गाड़ी नंबर आरजे 20 जी 8332 मेरे नजदीकी श्री मदन गुर्जर की है। इन्हें पूर्ण सहयोग प्रदान करें एवं आवश्यकता हो तो मुझसे बात कर लें।

रात को निकलने वाले ट्रकों से परिवहन विभाग वाले अवैध वसूली करते हैं। इसलिए मैंने चिट्ठी लिखी। यह चिट्ठी ओवरलोड ट्रकों को बचाने के लिए नहीं। यदि ओवरलोड है तो जुर्माना होना चाहिए।
- धीरज गुर्जर, प्रदेश महासचिव यूथ कांग्रेस

जवाब मांगते सवाल???

1. भीलवाडा और जहाजपुर की जनता कब इन भाईयों के आतंक से मुक्ति पाएगी?
2. जहाजपुर की जनता आखिर कब तक अपने क्षेत्र के विकास को तरसेगी?
3. क्या कांग्रेस के पास धीरज का विकल्प नहीं है?
4. क्या भाजपा के पास भी धीरज और उसके भाइयों के काले कारनामों को उजागर करने का साहस नहीं है?
5. क्या कांग्रेस धीरज और उसके भाईयों के कारनामों को देखते हुए उसे पुनः जहाजपुर से टिकट देगी?
6. यदि उसे टिकिट मिल भी जाता है तो क्या जहाजपुर की जनता उसके और उसके भाईयों के गुनाहों को माफ़ कर देगी?
7. क्या जहाजपुर की जनता उसे पुनः जिताएगी?